आरती श्री गणपतिजी की

श्री गणपति भज प्रगट पार्वती, अंक विराजत अविनासी ।
ब्रह्मा विष्णु सिवादि सकल सुर, करत आरती उल्लासी ।।

त्रिशुल धर को भाग्य मानिकै, सब जुरि आये कैलासी ।
करत ध्यान, गन्धर्व गान-रत, पुष्पन की हो वर्षा-सी ।।

धनि भवानि व्रत साधि लह्यो जिन, पुत्र परम गोलो कासी ।
अचल अनादि अखंड परात्पर, भक्तहेतु भव परकासी ।।

विद्या बुद्धि निधान गुनाकर, विघ्नविनासन दुखनासी ।
तुष्टि पुष्टि शुभ लाभ लक्ष्मी संग, ऋद्धि सिद्धि सी हैं दासी ।।

सब कारज जग होत सिद्ध सुभ, द्वादस नाम कहे छासी ।
कामधेनु चिंतामनि सुरतरु, चार पदारथ देतासी ।।

गज आनन सुभ सदन रदन, इक सुंढि ढूंढि पुर पूजा सी ।
चार भुजा मोदक करतल सजि, अंकुस धारत फरसा सी ।।

ब्याल सूत्र त्रयनेत्र भाल ससि, उदरवाहन सुखरासी ।
जिनके सुमिरन सेवन करते, टूट जात जम की फांसी ।।

कृष्णपाल धरि ध्यान निरन्तर, मन लगाय जो कोई गासी ।
दूर करैं भव की बाधा प्रभु, मुक्ति जन्म निजपद पासी ।।

विवरण

जो माता पार्वती से प्रगट हुए हैं, तथा भगवान शंकर के गोद में विराजमान हैं, ऐसे गणेश भगवान की हम वन्दना करतें हैं । ब्रह्मा, विष्णु, आदि सभी देवता उल्लास के साथ, जिनकी आरती करते हैं, ऐसे

गणेश भगवान को, भगवान शंकर का सौभाग्य मानकर सभी देवता गण कैलाश पर्वत पर आ गये ।

गन्धर्व गणेश भगवान का ध्यान करके गान करने में मग्न हैं, तथा फूलों की वर्षा हो रही है । माँ भवानी धन्य हुईं जिन्होने व्रत साध लिया था कि मैं परम पुत्र प्राप्त करके रहूँगी । विद्या, बुद्धि, सभी गुणों को देने वाले विघ्ननाशक प्रभु, हमारे दुःख का नाश करें ।

तुष्टि-पुष्टि, शुभ-लाभ -लक्ष्मी जिनके संग हैं, ऋद्धि-सिद्धि जिनकी पत्नियाँ हैं, ऐसे बारह नाम वाले गणेश जी को मन से भजने से सभी कार्य सिद्ध होते हैं । कामधेनु, चिंतामणि, सुरतरु, ये चार पदारथों को देने वालें हैं । ये गजानन, सुन्दर बदन वाले गणेश जी अपनी एक दाँत की पूजा मात्र से ही खुश रहते हैं ।

इनकी चारों भुजाएँ मोदक एवं करतल से सजी हुई है, इनके शरीर पर जनेऊ शोभित हो रहा है इनका तीसरा नेत्र भी है, इनके ललाट पे चन्द्रमा विराजमान रहते हैं तथा ये बड़े उदर वाले हैं, ऐसे गणेश भगवान का सुमिरन करके यम की फाँसी का फंदा भी टूट जाता है ।

जो निरन्तर इनका ध्यान करता है, मन से गायन करता है, उसकी आप सारी विघ्नबाधाएँ दूर कर देते हैं, तथा वो जीवन-मरण से छुटकारा पाकर आपके परम पद को प्राप्त करता है ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.